विचार बिन्दु

घृणा और प्रेम दोनों अंधे होते हैं। –कहावत

आयुर्वेद पर अतिथि-सम्पादकीय के निहितार्थ व प्रभाव

गूढ़ तकनीकी विषय पर अतिथि-संपादकीय की परंपरा समकालीन पत्रकारिता में एक नवाचारी प्रयोग है। ऐसे विषय केवल शोध-पत्रिकाओं या यदा-कदा मासिक पत्रिकाओं में ही प्रकाशित होते हैं। ऐसी मान्यता है कि हिंदी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर गहन तकनीकी लेखक और पाठक दोनों ही कम हैं। लेकिन इस मान्यता के होते हुये भी आयुर्वेद जैसे अत्यन्त कठिन, किंतु अत्यन्त जीवनोपयोगी विषय पर राष्ट्रदूत का यह नवाचारी प्रयोग पत्रकारिता में साहसिक कदम है। इस कड़ी को लगभग एक वर्ष पूरा हो रहा है। संहिताओं, वैज्ञानिक शोध, अनुभवजन्य ज्ञान और पत्रकारिता के समेकित बौद्धिक संगम पर किये गये इस अनूठे प्रयोग का लेखा-जोखा रोचक है।

जहाँ तक विषय-विविधता की बात है, व्यक्ति के रूप में हमें जीवन जीने के लिये जो ज्ञान एवं निर्देश आयुर्वेद में उपलबध है, उसकी पूरी समग्रता ही आयुर्वेद के आलोच्य अतिथि-सम्पादकीय का विषय माना जा सकता है। इन तथ्यों को ध्यान में रखते हुये विविध विषयों पर जो साप्ताहिक सामग्री प्रस्तुत की गई उसको संक्षेप में देखें तो राष्ट्रदूत में ज्ञान का बड़ा रोचक संग्रह खड़ा हुआ है: वर्ष भर के दौरान अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर लिखा गया। विषय की ख़ूबसूरती और महत्त्व को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से कुछ शीर्षक यहाँ उद्धत हैं:

1.स्वास्थ्य बजट का 97 प्रतिशत एलोपैथी को आबंटित करने के बावजूद भारत आयुर्वेद के बिना स्वस्थ नहीं रह सकता। 2.आयुर्वेद को वैश्विक मान्यता तभी मिलेगी जब प्रमाण-आधारित आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को देश में भारी लोकप्रियता मिले। 3.आयुर्वेदाचार्य ठान लें तो आयुर्वेद भारत को गंभीर बीमारियों की वैश्विक राजधानी होने के कलंक से मुक्ति देने में सक्षम है। 4.विश्व में मोटापा घटाने का बाजार इतना आकर्षक है कि इसके नाम पर लीद भी लोकप्रिय हो सकती है। 5.आधुनिक विज्ञान से प्रमाण-आधार सुदृढ़ हुआ है पर आयुर्वेद अवैज्ञानिक होता तो 5000 साल जीवित न रहता। 6.आहार, रसायन और औषधि के अंतर्संबंधों की प्रगाढ़ता में आयुर्वेद का वास्तविक आनंद निहित है। 7.भारत में चार लाख आयुर्वेदाचार्यों के अनुभवजन्य ज्ञान का सतत संकलन व विश्लेषण प्रमाण-आधारित चिकित्सा में नवाचारी क्रान्ति ला सकता है। 8. औषधीय पौधों की जैव-विविधता के संरक्षण व प्रबंध के बिना 7.5 लाख आयुष चिकित्सकों का विशाल ज्ञान धरा रह जायेगा। 9.औषधीय उपवन उगाने के सात सहज सूत्र जो आयुष चिकित्सालय को सुखदायी और आरोग्यकर बनायेंगे। 10.शुष्क जलवायु वाले क्षेत्रों में औषधीय पौधों की खेती आजीविका और वन संरक्षण के लिये वरदान है। 11.औषधीय पौधों की राष्ट्रव्यापी मुहिम आयुष ही नहीं, अर्थव्यवस्था व पर्यावरण को भी नये आयाम देने में सक्षम है। 12.औषधीय पौधों की पूर्ण जैव-विविधता की खेती आयुष चिकित्सा पद्धतियों के उज्जवल भविष्य के लिये आवश्यक है। 13.शोध उपयोगी है पर हजारों शोधपत्र व प्राचीन संहिताओं की विशाल बौद्धिक सम्पदा आयुर्वेद की विश्वसनीयता का पर्याप्त आधार है। 14.प्रायोजित प्रमाण के अर्थशास्त्र की बज़ाय आयुर्वेद के रसायन हमें स्वस्थ रखने में सक्षम हैं। 15.भोजन के सन्दर्भ में आयुर्वेद का सार्वभौमिक सन्देश यह है कि खान-पान को खानापूर्ति की तरह मत लीजिये। 16.आयुर्वेदोक्त भोजन से जरा-व्याधि-मुक्त भारत की परिकल्पना हर घर में साकार हो सकती है। 17.जन-मानस में आयुर्वेद को पुनर्प्रतिष्ठापित करने में आयुर्वेदाचार्यों की प्रमुख भूमिका है, पर उनकी सफलता हेतु बृहत्तर-सामाजिक योगदान भी अनिवार्य है। 18.आयुर्वेद में शैक्षणिक व चिकित्सकीय श्रेष्ठता केवल भारी इमारतों से नहीं, निपुण व ज्ञानी आयुर्वेदाचार्यों के परिश्रम से विकसित होगी। 19.मधुमेह से बचाव के उपायों पर आयुर्वेद की संहितायें व शोध एकमत हैं, पर ज्ञान का वैयक्तिक उपयोग आवश्यक है। 20.भारत में आयुर्वेद की उपेक्षा ने बीमारी का ऐसा दुधारू बाज़ार दिया जहाँ त्रिफला कब्ज का चूरन मात्र रह गया। 21.आयुर्वेद केवल घनवटी खाने या जूस पीने का विज्ञान नहीं, चिकित्सकीय परामर्श ही इसे सुरक्षित व लाभकारी बनाता है। 22.औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचार आयुर्वेद की प्रमाण-आधारित विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। 23.चरकसंहिता के जनोपयोगी कथन जीवन में ख़ुशहाली और चेहरों पर मुस्कान लाने में सक्षम, आयुर्वेद के महावाक्य हैं। 24.शास्त्र व शोध एकमत हैं कि आयु-आधारित रोगोत्पत्ति रोकने में आँवला श्रेष्ठ रसायन है। 25.शाङ्र्गधरसंहिता, अरावली व विन्ध्य के संगम पर स्थिति रणथम्भौर के उष्णकटिबंधीय शुष्क वनों की, आयुर्वेद को महान देन है। 26.पौधे लगाने की सबसे कठिन जगह हमारा दिमाग है, वहां लग गये तो सब जगह लगा समझिये। 27.आयु-आधारित बीमारियों की रोकथाम हेतु हरीतकी श्रेष्ठ आयुर्वेदिक पथ्य, रसायन व औषधि है। 28.सुख भोगने हेतु स्वस्थ रहने की वैश्विक लालसा ने योग व आयुर्वेद को नया आयाम दिया है। 29.चरकसंहिता में हितकारी भोजन की 3000 साल पुरानी सूची शोध में भी यथावत उपयोगी पायी गयी है। 30.आयुर्वेदाचार्यों को चरकसंहिता की सलाह उनके ज्ञान पर समाज के विश्वास का मूल दर्शन है। 31.आयुर्वेद के बारे में व्यक्तिगत अज्ञान आयुर्वेद के अवैज्ञानिक होने का प्रमाण नहीं है। 32.व्यायाम आयुर्वेद की श्रेष्ठ औषधि और रसायन है। 33.संहिताओं और साइंस को साथ लिये बिना आयुर्वेद में प्रोप्राइटरी औषधियों का ज़खीरा खड़ा करना बेमानी है। 34.युक्तियुक्त आहार, विहार, रसायन व औषधि जीवन व मृत्यु के मध्य आयुर्वेद के समन्वित रक्षा-कवच हैं। 35.आयुर्वेद में ऐसा कोई ग्रन्थ नहीं जो वैज्ञानिक शोध व चिकित्सकीय नवोन्मेष को प्रतिबंधित करता हो। 36.भोजन करने संबंधी आयुर्वेद के दस नियम तीस शताब्दियों बाद भी यथावत उपयोगी हैं। 37.युक्ति-व्यपाश्रय, दैव-व्यपाश्रय व सत्त्वावजय का समकालीन आयुर्वेद चिकित्सा में समन्वय तर्कसंगत है।

आयुर्वेद जैसे अत्यन्त कठिन, किंतु अत्यन्त जीवनोपयोगी विषय पर नवाचारी प्रयोग पत्रकारिता में साहसिक कदम है। आयुर्वेद एक विस्तृत विज्ञान है और जीवन के विविध पहलुओं की समग्रता को इतने विस्तार से वर्णित करता है कि उसका कोई पारावार नहीं है। इस पर जितनी अधिक चर्चा हो उतनी उपयोगी है।

वस्तुत: प्रत्येक अतिथि-संपादकीय में लेखन की उस विधि का प्रयोग हुआ है जो इस प्रकार के विश्लेषणों की सर्वमान्य तथा वैश्विक स्तर पर विद्वानों के मध्य स्वीकार्य विधि है। शास्त्र, साइंस और अनुभव के साथ कोई समझौता न करते हुये भी भाषा की सहजता का ध्यान रखा जाता है। प्रत्येक सप्ताह सबसे पहले जनोपयोगी विषय का चयन किया जाता है। फिर उस विषय पर आयुर्वेद के 5000 साल के इतिहास में उपलब्ध संस्कृत साहित्य का अनुशीलन, आयुर्वेद और औषधीय पौधों पर विश्व की सर्वाधिक प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित लगभग 1,50,000 शोधपत्रों के डेटाबेस में से संबंधित विषय पर प्रकाशित शोध को भी सार-रूप में समाहित किया जाता है। तत्पश्चात इस विषय पर अनुभवजन्य ज्ञान को समाहित करते हुये प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार होता है। इस ड्राफ्ट को रिव्यू और फीडबैक के लिये देश के लगभग 1200 आयुर्वेदाचार्यों के मध्य रखकर उनके विचार आमंत्रित किये जाते हैं। और अंतत: जितनी भी टिप्पणियाँ और फीडबैक मिलते हैं, उनको समाहित करते हुये एक समग्र-दृष्टिकोण युक्त आलेख अतिथि-संपादकीय के रूप में प्रकाशित होता है। आयुर्वेद जैसे तकनीकी और गूढ़ वैज्ञानिक विषय पर विश्लेषण तैयार करने की यह उत्तम विधि है।

ज्ञान का उत्पादन स्वान्त:सुखाय और समस्या-समाधान दोनों ही कारणों से हो सकता है। अत: यह भी देखना आवश्यक है कि इन संक्षिप्त आलेखों का जनसामान्य, आयुर्वेदाचार्यों या अन्य स्टेकहोल्डर्स के मध्य क्या प्रभाव पड़ा? इन आलेखों की अखबार के माध्यम से लोगों तक पहुंच सुनिश्चित तो होती ही है, सोशल मीडिया के इस युग में किसी विचार की पहुंच का दायरा बहुत बढ़ जाता है। यह आलेख प्रत्येक सप्ताह एक लाख से अधिक लोगों तक, जिनमें इलेक्ट्रॉनिक ग्रुप्स से जुड़े 35000 आयुर्वेदाचार्य सम्मिलित हैं, पहुंचता है। सोशल मीडिया के माध्यम से आगे के सर्कुलेशन को गणना में शामिल करें तो यह संख्या और भी बड़ी होगी। तात्पर्य यह है कि प्रत्येक अतिथि-संपादकीय की सुव्यवस्थित पहुंच है।

विद्वानों के इन तमाम समूहों तथा अन्य सोशल-मीडिया से प्रत्येक सप्ताह उपयोगिता तथा महत्व पर औसतन 1500 टिप्पणियाँ मिलती हैं। सबका सार यह है कि इन पृष्ठों पर उपलब्ध जानकारी को कार्य से जोड़े जाने के निर्विवाद और ठोस प्रमाण हैं। आयुर्वेदाचार्यों के मध्य हाल ही में किये गये एक संक्षिप्त सर्वे में प्राप्त फीडबेक में भी उपयोगिता सिद्ध होती है। न केवल आयुर्वेदाचार्यों ने अपने कार्य में समय-समय पर इस जानकारी का उपयोग किया है, बल्कि आम आदमी ने आयुर्वेद को अपने जीवन का अंग बनाने में भी इस श्रृंखला का भरपूर उपयोग किया होगा। इस समस्त चर्चा को यहाँ देने के पीछे आशय यह सन्देश देना है कि मानव जीवन में स्वास्थ्य के बराबर अन्य किसी संपत्ति का महत्व नहीं है। स्वास्थ्य जैसी सर्वोत्कृष्ट संपत्ति को बनाये रखने के लिये हमें न केवल आयुर्वेद के विविध आयामों को समझना उपयोगी है, बल्कि उस ज्ञान को कार्य से जोड़ कर जीवन में आत्मसात करना आवश्यक है। आयुर्वेद एक विस्तृत विज्ञान है और जीवन के विविध पहलुओं की समग्रता को इतने विस्तार से वर्णित करता है कि उसका कोई पारावार नहीं है। इस पर जितनी अधिक चर्चा हो उतनी उपयोगी है। आयुर्वेद के जिन जनोपयोगी विषयों पर हम आगे यहाँ सामग्री प्रस्तुत करेंगे, उसकी एक झलक यथासमय यहाँ दी जायेगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फॉरेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

कटीले फूल

● **नागरिक उड्डयन मंत्री से धक्का-मुक्की की संसद में।**

हंगामा करने से और ज्यादा विकास कर अब धक्का-मुक्की तक पहुंच गए।

● **उदयपुर में 75 हजार से 1.5 लाख रुपये लेकर 500 से अधिक लोगों को दी फर्जी मार्कशीट।**

शिक्षा का यह गोरखधंधा कॉलेजों तक फैल चुका है। अब तो बारहवीं तक फेल भी हो जाओ तो अगली कक्षा में दूसरे स्कूल में प्रवेश मिल जाता है।

चलते-चलते

शिक्षा की गुणवत्ता के लिए शिक्षकों की क्षमता निर्माण के साथ-साथ उचित वातावरण महत्वपूर्ण है। अध्यापकों की कमी, सेवा में चुने जाने के बाद उनका विधिवत प्रशिक्षण और सेवाकालीन अध्यापकों के व्यावसायिक विकास और अध्यापन के स्तर को बढ़ाने, परिणामों के लिए उनकी जवाबदेही सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर समय-समय पर राज्य सरकारों तथा केन्द्र सरकार द्वारा बहुत कुछ कहा जाता रहा है। साक्षरता और स्कूली शिक्षा में सुधार के नाम पर स्कूल तो खुल गए लेकिन शिक्षा के स्तर में कोई खास अन्तर नहीं आया है बल्कि उल्टा गिरावट आयी है। 2010 से अवश्यक शिक्षा अधिनियम लागू होने से स्कूलों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है और विशेषकर प्राथमिक स्कूलों की संख्या बढ़ी है। लोकसभा के इस सत्र में रखी गई संयुक्त जिला सूचना पद्धति की रिपोर्ट से पता चला है कि देशभर में आज भी 1,05,630 स्कूल ऐसे हैं जहां मात्र एक ही शिक्षक है। 2015-16 की डीआईएस की रिपोर्ट के अनुसार 18,190 स्कूल मध्य प्रदेश, 15,669 उत्तर प्रदेश और 12,029 राजस्थान के साथ यह प्रदेश पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं जहां पूरे स्कूल में केवल एक शिक्षक है। हालांकि ऐसे ज्यादातर स्कूलों में बहुत कम बच्चे पढ़ते हैं जिसके कारण राज्य सरकारें पर्याप्त बजट के अभाव में आवश्यक शिक्षा अधिनियम की हवा निकाल रही हैं।

सभी सम्प्रदाय की आस्था से जुड़ चुका है जैन तीर्थंकर श्री महावीरजी धाम

श्रीमहावीरजी, (नि.सं)। भावनात्मक एकता के वास्तविक प्रतीक के रूप में राजस्थान में एक ऐसा तीर्थस्थल है जो जैन धर्म के तीर्थंकर भगवान महावीर का होते हुए भी सभी जाति, वर्ग और सम्प्रदाय के लोगों की आस्था से जुड़ चुका है, जहां देश भर से श्रद्धालु पहुंचते हैं।

यहां इन दिनों भर रहे स्थानीय श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में महावीर जयन्ती के वार्षिक मेले के तीसरे दिन सामूहिक पूजन किया गया व भजन संध्या के साथ सामूहिक आरती एवं शास्त्र प्रवचन किये गये। रविवार 9 अप्रैल को भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव मनाया जायेगा। मन्दिर कमेटी अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने बताया कि महावीर जयन्ती के अवसर पर मन्दिर में विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक व अन्य कार्यक्रम सम्पन्न होंगे।

श्रीमहावीरजी स्थित प्रमुख जैन मंदिर जहां देश भर से श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचते हैं।

- महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक महोत्सव आज
- महिला महाविद्यालय की बालिकाएं देंगी सांस्कृतिक प्रस्तुति

इस अवसर पर वात्सल्य रत्नाकर मुनि श्री 108 चिन्मयानन्द जी महाराज के सानिध्य में प्रात: 6 बजे कटला प्रांगण से प्रभात फेरी निकाली जायेगी, 7:30 बजे कटला प्रांगण में झंडारोहण किया जायेगा एवं उसके बाद कटला प्रांगण से जलयात्रा निकाली जायेगी। प्रात: 10:30 बजे स्थानीय स्कूल के विद्यार्थियों को मोदक वितरण, अस्पताल में मरीजों को व हिण्डौन स्थित जेल के कैदियों को फल वितरण किये जायेंगे। मध्याह्न 12 बजे कटला पश्चिमी पांडाल में श्री वीर संगीत मण्डल, जयपुर के सहयोग द्वारा सामूहिक पूजन व अपराह्न 3:30 बजे कटला पश्चिमी पांडाल में जिनेन्द्र भगवान का कलशाभिषेक किया जायेगा। दोपहर 4 बजे प्रदर्शनी प्रांगण पर प्रदर्शनी का उद्घाटन व विकलांगों को ट्राई-साईकिल एवं असमर्थ तथा विधवा महिलाओं को हाथ की सिलाई मशीनें वितरित की जायेंगी। सांयकाल 7 बजे कटला पश्चिमी पांडाल में सामूहिक आरती 7:15 बजे शास्त्र प्रवचन व 7:30 बजे श्री दिगम्बर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय, श्री महावीर जी की बालिकाओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। रात्रि 8 बजे सांस्कृतिक मंच पर राजस्थानी सांस्कृतिक संध्या (पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग राजस्थान के सौजन्य से किया जायेगा।

आदर्श तीर्थ क्षेत्र की ओर बढ़ते कदम : प्रबंधकारिणी कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मंत्री महेन्द्रकुमार पाटनी, पूर्व अध्यक्ष जस्टिस नगेन्द्रकुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष जस्टिस एन.एम. कासलीवाल, पूर्व मंत्री नरेन्द्र पाटनी, पूर्व मंत्री प्रकाशचन्द्र जैन एवं सभी सदस्यों के अथक प्रयासों से यात्रियों के ठहरने के लिये सभी सुविधाओं से युक्त 51 कमरों की नयी ए.सी. धर्मशाला लाला उमरावसिंह जैन बनाई गई है। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने बताया कि यहां पहुचकर यात्री किसी भी धर्मशाला में ठहरने के लिये कमरे की बुकिंग करा सकता है। इसके अलावा देश-विदेश के किसी भी भाग से यात्री कमरों की ऑन-लाइन बुकिंग करा सकते हैं। यहां यात्रियों के ठहरने के लिये सन्मति धर्मशाला, कुन्द कुन्द धर्मशाला, वर्धमान धर्मशाला, यात्री निवास, व मंदिर परिसर में कटला धर्मशाला, चरणछत्री धर्मशाला उपलब्ध है। कासलीवाल के अनुसार मन्दिर कमेटी द्वारा यात्रियों एवं स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूति गृह, योग-प्राकृतिक चिकित्सालय, आयुर्वेदिक औषधालय, व शिक्षा के क्षेत्र में भी रेलवे स्टेशन पर श्री महावीर दिगम्बर जैन उच्च प्राथमिक विद्यालय नि:शुल्क चलाया जा रहा है।

राजस्व टीम ने लूनी नदी क्षेत्र में बिछाई जा रही अवैध पाइप लाइन उखाड़ी

बालोतरा एसडीएम के निर्देशन में अवैध प्रदूषित पानी फैलाने वाली निजी पाइप लाइनों को राजस्व टीम ने जेसीबी की मदद से उखाड़ फैंका।

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा एसडीएम पीएल जाट के निर्देश पर राजस्व टीम ने औचक कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन लगवाकर लूनी नदी क्षेत्र में बिछाई जा रही नई पाइप लाइन उखाड़ फेंकी।

इस संबंध में लोकायुक्त में भी इसकी शिकायत होने पर पीएचईडी एक्सईएन बीएल मीणा को जांच के आदेश दे रखे हैं। राजस्व अधिकारियों ने जेसीबी मशीन लगवाकर पाइप लाइन को पूरी तरह उखाड़कर फैंक दिया। इस पर पाइप लाइन बिछाने वाले सदाराम सांवल माली निवासी बीठूजा ने आपत्ति जताते हुए अपनी एनओसी व पटवारी की ओर से पहले दिया गया नक्शा भी पेश किया। उसने कहा कि नदी में अवैध रूप से करीब 23 पाइप लाइनें बिछी हुई है उन्हें क्यों नहीं हटाया जा रहा। सदाराम ने कई वर्षों पहले तत्कालीन तहसीलदार से एनओसी ली थी जो तहसीलदार ने कायदे ताक पर रखकर जारी की थी। उसको आधार बनाकर लाइन उखाड़ने से रोकना चाह रहे थे मगर प्रशासनिक टीम ने एक नहीं सुनी।

- बालोतरा एसडीएम के निर्देश पर जेसीबी मशीन से की कार्रवाई
- तत्कालीन तहसीलदार की एनओसी भी की दरकिनार

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रदूत ने लूनी नदी में अवैध निजी पाइप लाइनों को लेकर पिछले एक पखवाड़े में सिलसिलेवार दो बड़ी खबरें प्रकाशित कर प्रशासन का इस ओर ध्यान आकर्षित करवाया था।

ज़नवाणी

ख्वाजा के दीवान की प्रेरणादायी अपील

'मैं नहीं खाऊंगा बीफ, मुसलमान भी करें त्याग' ये भावना अलीखान साहब ने की, जो कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के प्रमुख दरगाह दीवान हैं ने व्यक्त करते हुए बताया कि बीफ को लेकर देश में दो समुदायों के बीच पनप रहे वैमनस्य को समाप्त करने के लिये केन्द्र को देशभर में गोमांस पर प्रतिबंध लगाना चाहिये। उनकी यह दलील देश हित और समाज हित में अत्यन्त प्रेरणादायी है। निश्चय ही ऐसा संभव बना तो देश में सुख-शांति और भाईचारे के माहोल में और वृद्धि होगी और हिंदु-मुसलमानों के बीच जो खाई पैदा हो गई है–वह पट सकती है। आशा है उनकी इस अपील पर केन्द्र और देश के सभी मुस्लिम भाई चलने का प्रयास करेंगे।

–घेवरचन्द गोदीका, जयपुर (राज.)

बी.पी.एल. एक नजर में

निर्धन परिवारों के लिए सरकार विभिन्न सुविधाएं प्रदान करती है ताकि अत्यन्त विषम परिस्थिति वाले गरीब परिवारों को कुछ राहत मिल सके। लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है, सभी समृद्ध परिवारों वाली सुविधाएं होते हुए भी कुछ लोगों ने अपना नाम बीपीएल सूची में जुड़वा कर गरीबों का हक बेधड़क मार रहे हैं। यदि सरकार को वास्तव में गरीबों की चिंता है तो बीपीएल सर्वे को अधिक पारदर्शी बनाकर अपात्रों को बिना भेद किये तुरन्त सूची से बाहर किया जाये ताकि वास्तविक हकदारों को लाभ मिल सके।

–के.जी.मालव, बालदडा-बारां (राज.)

कार्टूनी नज़रिया

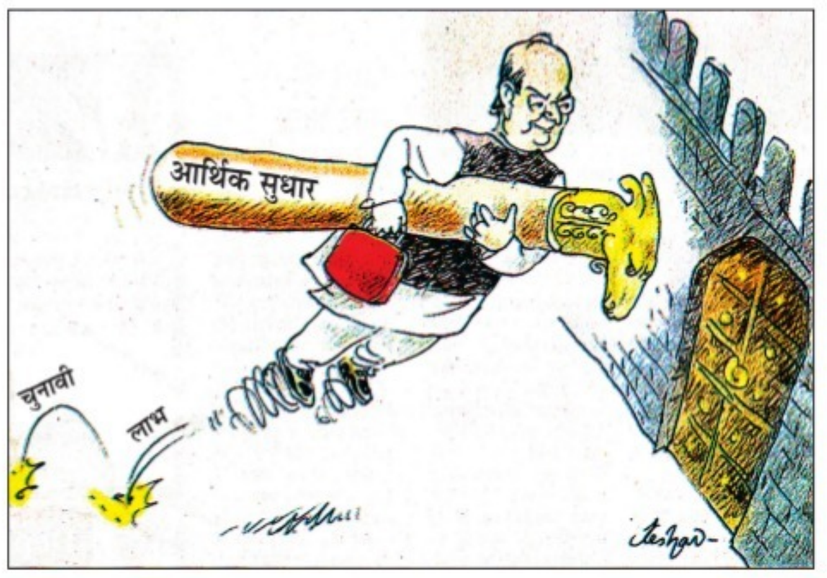

हिंदू से साभार

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

रविवार 9 अप्रैल, 2017

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2074, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र, वृद्धि योग, तैतिल करण, चन्द्रमा आज प्रात: 6:51 पर कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मेष, बुध-मेष, गुरू-कन्या, शुक्र-मीन, शनि-धनु, राहु-सिंह, केतु-कुम्भ राशि में।

उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 1:54 तक, वृद्धि योग प्रात: 9:16 तक है। इसके पश्चात हस्त नक्षत्र, धुव्र योग, गर करण आरम्भ होगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से संपूर्ण दिन-रात रहेगा। रवियोग रात 1:54 तक है। अमृत सिद्धि योग रात 1:54 से सूर्योदय तक है। आज बुध वक्री रात्रि 4:45 पर होगा। आज महावीर जयन्ती, शिव दमनोत्सव चतुर्दशी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:47 से 9:21 तक, लाभ-अमृत 9:21 से 12:29 तक, शुभ 2:02 से 3:36 तक।

राहुकाल: 4:30 से 6:00 तक।

मेष

स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

वृष

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण मामलों में उचित परामर्श मिल सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

मिथुन

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

सिंह

आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। घर-परिवार के कार्यों के कारण बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कन्या

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आज कार्य योजनानुसार बन सकते हैं।

तुला

धार्मिक-सामाजिक समारोह में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। ग्रह स्थिति सकारात्मक है। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है।

मकर

घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धन खर्च पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

मीन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्यों में सार्थक सफलता मिल सकती है।